करोड़ों खर्च, फिर भी वीरान पड़ा जिंसी हाट मैदान

- स्मार्ट सिटी का सपना बदहाली में तब्दील
- टूटे शेड, उखड़े ओटले और अतिक्रमण ने बिगाड़ी तस्वीर

शैलेन्द्र कश्यप

इंदौर. शहर के मध्य स्थित जिंसी हाट मैदान को स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत आधुनिक सब्जी बाजार के रूप में विकसित करने के लिए लाखों-करोड़ों रुपये खर्च किए गए थे. दावा किया गया था कि यहां व्यापारियों को धूप, बारिश और यातायात की समस्याओं से राहत मिलेगी तथा सड़क किनारे लगने वाले असंगठित बाजारों को व्यवस्थित किया जाएगा. इसके लिए शेड, कैनोपी, ओटले और अन्य सुविधाएं विकसित की गईं, लेकिन योजना धरातल पर टिक नहीं सकी.

निगम और संबंधित एजेंसियों की लापरवाही, कमजोर निगरानी और रखरखाव के अभाव ने कुछ ही वर्षों में पूरे प्रोजेक्ट की हालत बिगाड़ दी. जिस बाजार को शहर के मॉडल प्रोजेक्ट के रूप में पेश किया गया था, वह आज उजाड़ पड़ा है और करोड़ों रुपये की लागत से बनाई गई सुविधाएं उपयोग के अभाव में जर्जर हो चुकी हैं.

पांच साल की अनदेखी शुरू होते ही उखड़ गई करोड़ों की चमक-स्थानीय लोगों के अनुसार निर्माण कार्य की गुणवत्ता शुरू से ही सवालों के घेरे में रही. स्मार्ट सिटी की महत्वपूर्ण परियोजना के रूप में विकसित जिंसी हाट मैदान कुछ ही वर्षों में बदहाली का शिकार हो गया. स्थानीय लोगों का आरोप है कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता की अनदेखी की गई, जिसके चलते कैनोपी फट गईं, शेड क्षतिग्रस्त हो गए और टाइलें उखड़ने लगीं. वर्षों तक रखरखाव नहीं होने से स्थिति और खराब होती गई. मूलभूत सुविधाएं खत्म होने के कारण व्यापारी यहां से दूर हो गए और करोड़ों रुपये की लागत से तैयार किया गया यह बाजार आज लगभग वीरान पड़ा है. लोगों का कहना है कि निगम की लापरवाही और कमजोर निगरानी ने इस परियोजना को बदहाली का प्रतीक बना दिया है.

पुराने प्रोजेक्ट की सुध नहीं, नए विकास की तैयारी-स्थानीय लोगों में इस बात को लेकर नाराजगी है कि नगर निगम और संबंधित एजेंसियां पुराने प्रोजेक्ट को संवारने के बजाय नए विकास कार्यों की योजनाओं पर विचार कर रही हैं. लोगों का कहना है कि करोड़ों रुपये खर्च कर बनाए गए इस प्रोजेक्ट को पहले पुनर्जीवित किया जाना चाहिए. यदि समय रहते रखरखाव किया जाता तो आज यह बाजार शहर के सबसे व्यवस्थित व्यापारिक केंद्रों में शामिल हो सकता था.

मैदान की बड़ी समस्या बढ़ता अतिक्रमण -हाट मैदान के आसपास और उससे लगी सड़कों पर अवैध कब्जों की भरमार है. नगर निगम ने समय-समय पर अतिक्रमण हटाने के अभियान चलाए, लेकिन स्थायी समाधान नहीं निकल पाया. परिणामस्वरूप क्षेत्र में आए दिन जाम की स्थिति बनती है और आम नागरिकों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ता है. यहाँ के अन्य व्यापारियों का भी कहना है कि अतिक्रमण के कारण बाजार की उपयोगिता लगातार कम होती जा रही है.

असामाजिक तत्वों का अड्डा बनता मैदान-स्थानीय नागरिकों के अनुसार मैदान की उपेक्षा का फायदा असामाजिक तत्व उठा रहे हैं. शाम होते ही यहां सुनसान जगह पर माहौल बन जाता है. गंदगी, टूटे ढांचे और अव्यवस्थित स्थिति चारों ओर फैली गंदगी और रखरखाव की कमी ने इस पूरे क्षेत्र की छवि को प्रभावित किया है.

हर रविवार हाट को बाजार परिसर में शिफ्ट करने की तैयारी

नगर निगम के अपर आयुक्त आकाश सिंह ने बताया कि जिंसी क्षेत्र में लगने वाले साप्ताहिक हाट को बाजार परिसर में शिफ्ट करने की योजना बनाई जा रही है. उन्होंने कहा जिंसी हाट मैदान में बने बाजार को जल्द शुरू करने का प्रयास किया जाएगा. वर्तमान में यहां अवैध पार्किंग, लोडिंग वाहनों का अतिक्रमण और अन्य बाधाएं हैं, जिन्हें हटाने के लिए कार्रवाई की जाएगी. इसके बाद प्रत्येक रविवार लगने वाले हाट को इसी परिसर में संचालित करने की योजना है. शेष दिनों में नियमित सब्जी बाजार शुरू करने के लिए व्यापारियों से चर्चा की जाएगी. आकाश सिंह ने बताया कि पूर्व में बनाई गई दुकानों की मार्किंग लगभग 6 बाय 4 फीट थी, जो सब्जी विक्रेताओं के लिए पर्याप्त नहीं थी. अब इसे बढ़ाकर लगभग 10 बाय 5 फीट करने का प्रस्ताव है. साथ ही उखड़ी टाइल्स, क्षतिग्रस्त शेड और अन्य बुनियादी सुविधाओं की मरम्मत के लिए भी कार्ययोजना तैयार की जा रही है.

सार्वजनिक धन का दुरुपयोग

सामाजिक कार्यकर्ता एवं अधिवक्ता प्रमोद द्विवेदी ने कहा कि जिंसी हाट मैदान की वर्तमान स्थिति सीधे तौर पर सार्वजनिक धन के दुरुपयोग को दर्शाती है. उन्होंने कहा एक आम नागरिक अपनी मेहनत की कमाई का हिस्सा कर के रूप में इसलिए देता है ताकि उसका उपयोग शहर के विकास में हो. जिंसी हाट मैदान में बिना पर्याप्त योजना और उपयोगिता का आकलन किए करोड़ों रुपये खर्च किए गए. निर्माण कार्य में गुणवत्ता की कमी रही, जिसके कारण कुछ ही वर्षों में पूरी संरचना जर्जर हो गई. यदि निर्माण और रखरखाव में जवाबदेही तय होती तो आज यह परियोजना इस स्थिति में नहीं होती. अधिकारियों की अनदेखी और घटिया निर्माण सामग्री का उपयोग इसकी प्रमुख वजह है.

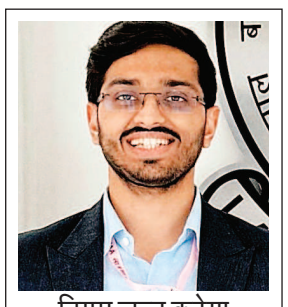

निगम जल्द करेगा पुनर्जीवित करने का प्रयास

नगर निगम के अपर आयुक्त एवं स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के सीईओ अर्थ जैन ने बताया कि जिंसी हाट मैदान स्थित सब्जी बाजार के पुनर्विकास और संचालन के प्रस्ताव को जल्द ही बोर्ड बैठक में रखा जाएगा. उन्होंने कहा पुरानी परियोजना को नई कार्ययोजना के अनुरूप पुनः विकसित करने पर विचार किया जा रहा है. इस प्रोजेक्ट को प्राथमिकता में शामिल किया जाएगा ताकि इसे दोबारा उपयोगी बनाया जा सके.

आम जनता के सवाल जो जवाब मांगते हैं

- करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद परियोजना इतनी जल्दी जर्जर क्यों हो गई?
- निर्माण कार्य की गुणवत्ता के लिए जिम्मेदार कौन था?
- रखरखाव व्यवस्था क्यों विफल हुई?
- बार-बार अतिक्रमण हटाने के बावजूद स्थायी समाधान क्यों नहीं निकला?
- क्या नगर निगम इस बाजार को फिर से व्यापारियों और नागरिकों के लिए उपयोगी बना पाएगा?

उपेक्षा व खराब रखरखाव का उदाहरण

जिंसी हाट मैदान सिर्फ एक बाजार नहीं, बल्कि स्मार्ट सिटी परियोजनाओं की जमीनी हकीकत का आईना बनता जा रहा है. जिस स्थान को शहर के व्यवस्थित विकास का प्रतीक बनना था, वह आज उपेक्षा, अतिक्रमण और खराब रखरखाव का उदाहरण बन चुका है.

एक नजर में

लेखिका अमर खनूजा चड्ढा की दो कृतियों का भव्य विमोचन

इंदौर. शहर की प्रख्यात लेखिका अमर खनूजा चड्ढा की दो कृतियों- उड़ीकाँ और तू मेरा रत्त का विमोचन वामा साहित्य मंच (शब्द-शक्ति की संवाहक) की अगुवाई में संपन्न हुआ. डॉ. अंजना चक्रपाणि मिश्र सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। संस्था की अध्यक्ष ज्योति जैन ने अपने स्वागत भाषण में वामा साहित्य मंच की लेखिकाओं द्वारा विषम परिस्थितियों में किए जा रहे सृजन को रेखांकित करते हुए अतिथियों और प्रबुद्ध श्रोताओं का आथित्य अभिनंदन किया. समारोह में सारस्वत अतिथि के रूप में कवि व विचारक सत्यनारायण सत्तन, प्रखर साहित्य मनीषी डॉ. विकास दवे एवं चर्चाकार प्रभु चौधरी गरिमामय रूप से उपस्थित रहे. मंचासीन अतिथियों व परिवार ने दोनों पुस्तकों का लोकार्पण किया. लेखिका अमर खनूजा चड्ढा ने कविता संग्रह उड़ीकाँ का अर्थ 'इंतज़ार' और कहानी संग्रह तू मेरा रत्त (रक्त) का भाव स्पष्ट करते हुए, अपनी साहित्यिक यात्रा और पारिवारिक पृष्ठभूमि साझा की. मंच संचालन की कमान वरिष्ठ साहित्यकार पद्मा राजेंद्र ने संभाली. रमिन्दर सिंह चड्ढा ने धन्यवाद ज्ञापित किया. कार्यक्रम में नगर के अनेक गणमान्य साहित्यकार, बुद्धिजीवी और प्रबुद्ध पाठक बड़ी संख्या में मौजूद रहे.

इंदौर लेखिका संघ ने डॉ. बशीर बद्र को दी श्रद्धांजलि

इंदौर. देश के जाने-माने शायर पद्मश्री डॉ. बशीर बद्र अब हमारे बीच नहीं रहे. देश के सुप्रसिद्ध शायर के साहित्यिक योगदान को याद करते हुए इंदौर लेखिका संघ ने उनके शेर की पंक्ति कुछ तो मजबूरियां रही होंगी卐 को आज अपनी लेखन कार्यशाला का विषय बनाते हुए इस पंक्ति को केंद्र में रख कर रचनाकर्म किया. कोई कांटा चुभा नहीं होता, दिल अगर फूल सा नहीं होता. कुछ तो मजबूरियां रही होंगी, यूं ही कोई बेवफ़ा नहीं होता. इस अवसर पर उनके कई शेर भी लोगों ने बार बार दोहराए. लेखिका संघ की संस्थापक डॉ. स्वाति तिवारी ने संस्था की और से भावपूर्ण श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि बद्र साहब की सादगी, विचारों और शेरो शायरी को भुलाना आसान नहीं होगा .डॉ. बशीर बद्र जैसी हस्ती का जाना भारतीय साहित्य के आसमान में एक सितारे के खो जाने जैसा है. बशीर साहब वास्तव में एक राष्ट्रवादी शायर थे. रचनात्मक लेखन कार्यशाला के लिए विषय का चयन डॉ. निशी मंज्वानी ने किया. लेखन कार्यशाला में बड़ी संख्या में सदस्यों ने उनकी पंक्ति को आगे बढाते हुए शेरो शायरी एवं काव्य विधा में लेखन कर उन्हें अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किये. इस अवसर पर सुषमा शुक्ला, कुसुम सौगानी, प्रभा तिवारी, निशी मंजवानी, वन्दिता श्रीवास्तव, विभा बिलाला जैन, मुक्ता पन्त पाण्डेय, डॉ. प्रतीक्षा शर्मा, डॉ.मीनल डोंगरे, सपना उपाध्याय, संध्या पांडे, पियूषा शुक्ला, मनोरमा जोशी, माधुरी निगम, निर्मला मुंदड़ा, अपर्णा खरे, डॉ.रश्मि जोशी इत्यादि ने अपनी लेखनी से उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किये.

प्लेटिनमआरएक्स ने 10 लाख उपयोगकर्ताओं का आंकड़ा पार किया

इंदौर. दवाओं के प्लेटफॉर्म प्लेटिनमआरएक्स ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है. यह प्लेटफॉर्म अब तक देश भर में 10 लाख से अधिक मरीजों को अपनी सेवाएँ दे चुका है और इसने अपने उपयोगकर्ताओं को गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक विकल्पों के माध्यम से 128 करोड़ रुपये से अधिक की बचत कराई है. प्लेटिनमआरएक्स के को-फाउंडर आशुतोष पांडे ने कहा भारतीय मरीजों के बचे 128 करोड़ रुपये कोई व्यावसाय का आंकड़ा नहीं है. यह 128 करोड़ रुपये सीधे आम परिवारों के बजट में बच रहे हैं और इनका इस्तेमाल बच्चों की स्कूल फीस, घर का राशन और रोजमर्रा की जिंदगी के उन जरूरी खर्चों के लिए हो रहा है, जो अक्सर महंगी दवाइयों के बिलों के नीचे दब जाते थे. हमने एक बहुत ही सरल सोच के साथ शुरुआत की थी कि अच्छी और बढ़िया दवाइयाँ कोई लग्जरी की चीज नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह सबका हक है. लगभग 10 लाख परिवारों से जुड़ने के बाद, हमारा यह भरोसा अब एक बड़ा आंदोलन बनता जा रहा है.

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने चौथी तिमाही के नतीजे घोषित किए

इंदौर. एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड ने आज वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही के नतीजों की घोषणा की. इस तिमाही में, एलजीई इंडिया ने अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ तिमाही प्रदर्शन दर्ज किया. वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में संचालन से 80.54 बिलियन का राजस्व प्राप्त किया, जबकि वित्त वर्ष 25 में यह 74.48 बिलियन रुपए था. साथ ही, एबिटडा मार्जिन 11.7% रहा. एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर, होंग जू जियोन ने कहा मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में अपना अब तक का सबसे अधिक तिमाही राजस्व दर्ज किया है, जो हमारे ब्रांड की मजबूती और हमारे बिजनेस मॉडल के लचीलता का प्रमाण है. एक जटिल वैश्विक माहौल के बावजूद, एलजीई इंडिया ग्राहक-केंद्रित, चुस्त और विकास-उन्मुख बनी हुई है. हम संतुलित कदमों और प्रीमियम उत्पादों में निरंतर निवेश के साथ इन व्यापक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि एलजीई इंडिया इस बदलाव का नेतृत्व करने के लिए अच्छी स्थिति में है.

लोकमाता के आदर्शों से मप्र को बनाएंगे विकसित : डॉ. यादव

नवभारत न्यूज

इंदौर. लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 301वीं जयंती के अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को राजवाड़ा पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और श्रद्धासुमन अर्पित किए. इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें भारतीय संस्कृति, सुशासन और लोककल्याण की अद्वितीय प्रतीक बताया.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर भारतीय इतिहास की ऐसी महान शासिका थीं, जिन्होंने अपने शासनकाल में न्याय, सुशासन, लोकसेवा और जनकल्याण के उच्चतम मानक स्थापित किए. उन्होंने प्रजा के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग के उत्थान और कल्याण के लिए कार्य किया. उनकी प्रशासनिक दक्षता, दूरदर्शिता, करुणा और न्यायप्रियता आज भी शासन-प्रशासन के लिए प्रेरणास्रोत है. लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के आदर्शों और लोक कल्याणकारी दृष्टिकोण को आत्मसात कर मध्यप्रदेश को विकसित और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य किया जाएगा. इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक गोलू शुक्ला, मालिनी गौड़, मधु वर्मा, उषा ठाकुर, डॉ. निशांत खरे, गौरव रणदिवे, संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, कलेक्टर शिवम वर्मा, पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह सहित बड़ी गणमान्य नागरिक उपस्थित थे.

लोक कल्याण के कार्यों को नई दिशा दी

मुख्यमंत्री ने कहा कि देवी अहिल्याबाई ने केवल मालवा ही नहीं, बल्कि पूरे देश में धर्म, संस्कृति और लोककल्याण के कार्यों को नई दिशा दी. लोकमाता का जीवन सेवा, समर्पण और सुशासन का जीवंत उदाहरण है, जिससे वर्तमान पीढ़ी को प्रेरणा लेने की आवश्यकता है.

मुख्यमंत्री ने चाय-समोसे का लिया आनंद, बच्चों से की आत्मीय मुलाकात

इंदौर. लोकमाता देवी अहिल्या बाई की 301वीं जयंती के अवसर पर मुख्यमंत्री ने शनिवार को राजवाड़ा स्थित लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा पर पहुंचकर माल्यार्पण किया, माल्यार्पण के पश्चात मुख्यमंत्री डॉ. यादव चाट खाने क्षेत्र की एक होटल पहुंचे. यहां उन्होंने चाय के साथ समोसे का आनंद लिया. इस दौरान होटल में मौजूद लोगों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया. मुख्यमंत्री ने वहां बैठे एक छात्र से भी बातचीत की और उसकी पढ़ाई एवं भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी ली. होटल से बाहर निकलते समय कुछ बच्चे जय श्रीराम के नारे लगा रहे थे। बच्चों का उत्साह देखकर मुख्यमंत्री उनकी ओर आकर्षित हुए और उनके बीच पहुंच गए. उन्होंने बच्चों से आत्मीयता के साथ मुलाकात की, उनका हालचाल जाना और उनसे संवाद किया. मुख्यमंत्री का यह सहज और आत्मीय व्यवहार वहां मौजूद लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा.

अस्मिता हवालदार को रा.ना. नातू पुरस्कार

इंदौर. महाराष्ट्र की 121 वर्ष पुरानी अग्रणी साहित्य संस्था महाराष्ट्र साहित्य परिषद, पुणे द्वारा इस वर्ष का 'रा.ना. नातू इतिहास विषयक ग्रंथ पुरस्कार' डॉ. अस्मिता हवालदार की पुस्तक विजयनगर शैलीचेलेपाक्षी मंदिर को प्रदान किया गया है. इस संस्था द्वारा दिया जाने वाला यह प्रतिष्ठित पुरस्कार मध्य प्रदेश के किसी लेखक को पहली बार मिला है. 26 मई को बालगंधर्व रंगमंदिर, पुणे में संपन्न हुए एक समारोह में यह प्रतिष्ठित पुरस्कार अभिनेता योगेश सोमण द्वाराडॉ. अस्मिता हवालदार को प्रदान किया गया. इस अवसर पर अविनाश धर्माधिकारी, ऋषिकेश जोशी और महाराष्ट्र साहित्य परिषद के पदाधिकारी भी उपस्थित थे। यह उल्लेखनीय है कि डॉ.अस्मिता हवालदारपेशे से दन्त चिकित्सक होने के साथ भारतीय विद्या एवं पूरातत्वशास्त्र में स्नातकोत्तर हैं और विजयनगर साम्राज्य के इतिहास में उनकी विशेष रुचि है.

लोकनृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियों से जीता दर्शकों का दिल

- लोक कला और लोकनृत्य कार्यशाला का समापन, युवाओं की प्रस्तुतियों पर जमकर बजी तालियां

इंदौर. नई पीढ़ी को भारतीय लोक संस्कृति एवं पारंपरिक कला से जोड़ने के उद्देश्य से मराठी सोशल ग्रुप द्वारा आयोजित चार दिवसीय लोककला एवं लोकनृत्य कार्यशाला 'नृत्य जत्रा' का रविवार को रंगारंग समापन हुआ. अंतिम दिन युवाओं ने लावणी, कोली, नमन सहित विभिन्न पारंपरिक लोकनृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों का दिल जीत लिया. आकर्षक वेशभूषा और पारंपरिक संगीत पर प्रस्तुत नृत्यों ने पूरे परिसर को तालियों की गूंज से भर दिया.

कार्यक्रम संयोजक ज्योत्स्ना सोहनी एवं तृप्ति महाजन ने बताया कि लोकमान्य विद्या निकेतन के सहयोग से आयोजित इस कार्यशाला में चार दिनों तक जूनियर वर्ग के प्रतिभागियों ने सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक तथा सीनियर वर्ग के प्रतिभागियों ने दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक प्रशिक्षण प्राप्त किया. कार्यशाला में युवाओं को भारतीय लोककला और पारंपरिक नृत्यों की बारीकियों से अवगत कराया गया. संस्था के सुधीर दांडेकर एवं राजेश शाह ने बताया कि समापन समारोह में चोइथराम हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर के सीईओ सुमित नांदेड़कर, लोकमान्य विद्या निकेतन के अजय वैशम्पायन, पराग लोंढे एवं कपिल धोडपकर सहित अन्य ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया. सभी अतिथियों का स्वागत दर्शन जागीरदार, उदय धनाश्री, डॉ जयंत सोहनी, अविनाश भांड ने करा. कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन हर्षवर्धन लिखिते ने किया. समारोह के अंत में सभी प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया.

एक नजर में पुण्य श्लोका देवी अहिल्या बाई होलकर की 301वें जन्मोत्सव पर सत्कार कला कल्याण समिति ने विभिन्न समाजों की महिलाओं का किया सम्मानित

21 महिलाओं को देवी अहिल्या नारी गौरव अलंकरण से किया सम्मानित

इनको किया सम्मानित

संगीता अग्नि होत्री, निर्मला जिंदल, मनजीत कीर्ति राज सिंह, प्रो. प्रिंसेस निगम, मधुमिता चंद्रा, माया लोखंडे, सुचित्रा हरमलकर, प्रो. रितु कोचले, बबली जैन, जसबीर कौर खनूजा, योगिता सोनी, श्रुति बजाज, रोसी लिंट जोसेफ, बिंदु चौहान, किरण जगताप, नफिसा हुसैन, शांता नामदेव कुकरेजा, डॉ. आरती मेहरा, उमा यादव, डॉ. रेवलीन कौर एवं श्रीमति मीना जोशी।

इंदौर. गरिमामय समारोह में सत्कार कला कल्याण समिति ने विभिन्न समाजों एवं वर्गों की 21 महिलाओ को देवी अहिल्या नारी गौरव अलंकरण-2026 से सम्मानित किया. आयोजन पुण्य श्लोका देवी अहिल्या बाई होलकर के 301वें जन्मोत्सव पर जाल सभाग्रह में किया था.

समारोह की मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग की उप सचिव कीर्ति खुरासिया थी. अध्यक्षता अभ्यास मंडल की सचिव डॉ. माला सिंह ठाकुर ने की। अपने मुख्य संबोधन में कीर्ति खुरासिया ने सभी सम्मानित महिलाओ को बधाई देते हुए कहा कि वे देवी अहिल्या बाई के जीवन से प्रेरणा लें और स्वयं को बेहतर बनाएं. देवी अहिल्या बाई कुशल प्रशासिका और प्रजा पालिका थी. हम सबको देवी अहिल्या बाई होलकर के आदर्शों को अपने जीवन में अंगी कृत करने की आवश्यकता है. डॉ. माला सिंह ठाकुर ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि देवी अहिल्या बाई एक ऐसी आदर्श महिला थी, जिसने शिव को साक्ष्य मानकर राज किया. उन्होंने देशभर में बड़ी संख्या में मठ-मन्दिर, आश्रम, कुये, बावड़िया और तालाब बनवाए. स्वागत उद्बोधन संस्था अध्यक्ष डॉ. सुरेंद्र दिल्लीवाल ने दिया. हृदय रोग विशेषज्ञ एवं उपाध्यक्ष डॉ. सरिता राव ने कहा कि स्वस्थ महिला से स्वस्थ समाज का निर्माण होता है. हर महिला को अपना ब्लड प्रेशर, शुगर और कोलेस्ट्राल के बारे में जानकारी होना चाहिए. इसके प्रति वे लापरवाही नहीं बरतें. संरक्षक कैलाश मुंशी ने संस्था का परिचय दिया. संयोजक डॉ. अरुण अग्रवाल ने महिलाओ को स्वस्थ् रहने के टिप्स दिये. सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह अध्यक्ष डॉ. सुरेंद्र दिल्लीवाल उपाध्यक्ष, पुरषोत्तम वाघमारे द्वारा प्रदान किये. अतिथियो का परिचय संगठन सचिव डॉ. अशोक शर्मा एवं सांस्कृतिक सचिव डॉ. सूर्यांश दिल्लीवाल ने दिया. सचिव विजय पारेख ने आभार माना. संचालन प्रीति दुबे ने किया.